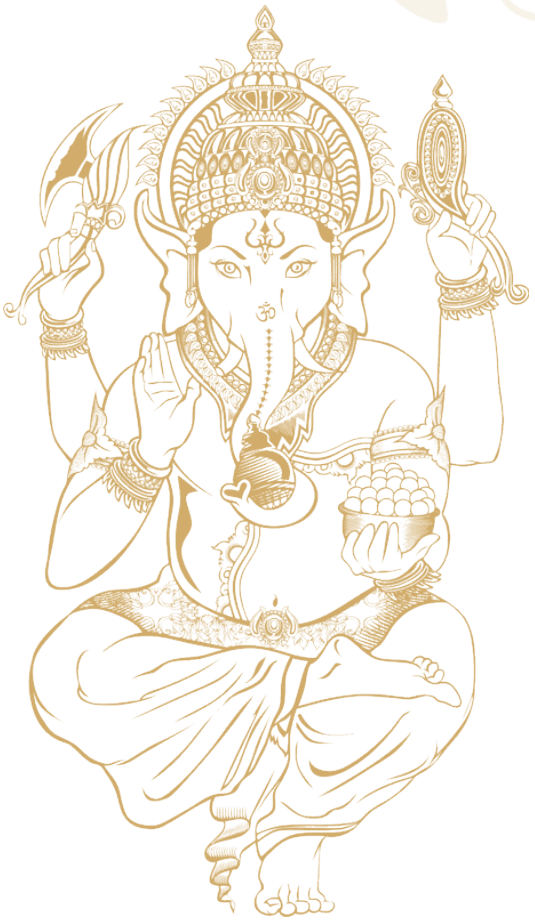

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
1-02/09/1994	जन्म तिथि	19-20/02/2000
गुरु-शुक्रवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 04:30:00	जन्म समय	03:00:00 घंटे
घटी 56:36:29	जन्म समय(घटी)	50:19:21 घटी
India	देश	India
Pauri Garhwal	स्थान	Pauri Garhwal
30:08:00 उत्तर	अक्षांश	30:08:00 उत्तर
78:48:00 पूर्व	रेखांश	78:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:14:48	स्थानिक संस्कार	-00:14:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:51:24	सूर्योदय	06:52:15
18:37:51	सूर्यास्त	18:05:34
23:47:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:19

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 7वर्ष 4मा 12दि	27:08:37	कर्क	लग्न	धनु	02:23:19	केतु 2वर्ष 0मा 7दि
बुध	15:28:47	सिंह	सूर्य	कुंभ	06:41:18	सूर्य
13/01/2021	27:11:38	मिथु	चंद्र	सिंह	09:28:59	27/02/2022
14/01/2038	16:35:57	मिथु	मंगल	मीन	12:06:57	27/02/2028
बुध 12/06/2023	02:39:04	कन्या	बुध	कुंभ	23:05:46	सूर्य 16/06/2022
केतु 08/06/2024	16:09:52	तुला	गुरु	मेष	06:58:58	चन्द्र 16/12/2022
शुक्र 09/04/2027	01:12:17	तुला	शुक्र	मक	08:14:29	मंगल 23/04/2023
सूर्य 14/02/2028	15:12:15	कुंभ व	शनि	मेष	17:47:33	राहु 17/03/2024
चन्द्र 15/07/2029	23:41:27	तुला व	राहु व	कर्क	09:42:45	गुरु 03/01/2025
मंगल 12/07/2030	23:41:27	मेष व	केतु व	मक	09:42:45	शनि 16/12/2025
राहु 29/01/2033	28:58:00	धनु व	हर्ष	मक	23:43:45	बुध 22/10/2026
गुरु 07/05/2035	27:02:10	धनु व	नेप	मक	11:10:12	केतु 27/02/2027
शनि 14/01/2038	01:41:59	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	18:52:26	शुक्र 27/02/2028

लग्न-चलित

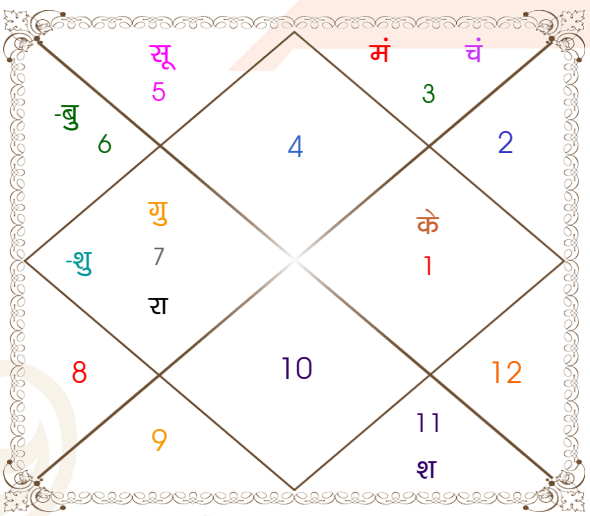

लग्न-चलित

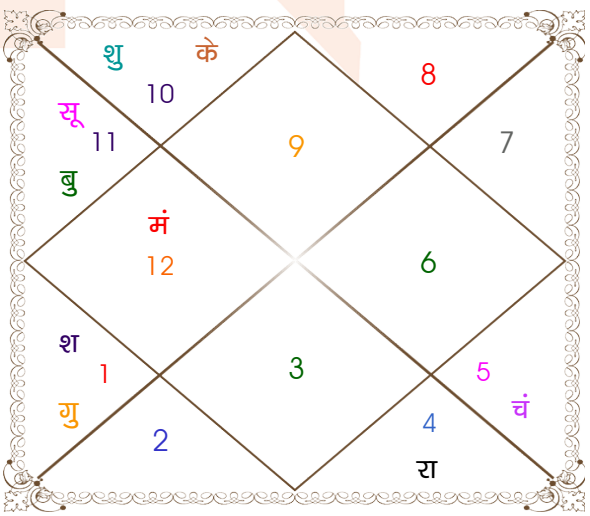

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	मूषक	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	सूर्य	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

Mr. का वर्ग मेष है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।

तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।